18 / 01 / 78 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

बापदादा की सेवा का रिटर्न करने का अनुभव

➢➢ मैं योगी तू आत्मा हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा चमकती हुई मणि भृकुटि सिंहासन पर बिराजमान हूँ

→ मैं आत्मा विश्व कल्याणकारी हूँ

■ देह में रहते देह ओर देह के सर्व सम्बन्धियों से भिन्न हूँ, न्यारी हूँ, अलौकिक हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा बापदादा की स्नेही, सहयोगी, तपस्वी मूर्त आत्मा हूँ

→ मैं आत्मा शक्तिस्वरुप हूँ

■ मैं आत्मा अब बापदादा के स्नेह का रिटर्न उसको प्रत्यक्ष करके दे रही हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा अब बापदादा को प्रत्यक्ष करने की सेवा कर रही हूँ

→ मैं फरिश्ता बापदादा से मिलन मनाने उड़ चलती हूँ सूक्ष्मवतन की और

■ जहा बापदादा बाहे पसारे मेरा इंतज़ार कर रहे है

➳ _ ➳ मैं आत्मा बापदादा के एकदम सन्मुख हूँ

→ बापदादा ने अपना वरदानी हाथ मेरे सिर पर रख दिया है

■ और मुझ आत्मा को मास्टर सर्वशक्तिमान भवः

■ योगी तू आत्मा भवः

■ श्रेष्ठ योगी भवः के अथाह वरदानों से मुझ आत्मा की बुद्धि रुपी झोली भर रहे है

➳ _ ➳ अब बापदादा मुझ आत्मा को दृष्टि दे रहे है

→ बाबा ने दृष्टि देकर मुझ आत्मा को नजरो से निहाल कर दिया है

■ मेरे प्यारे मीठे बापदादा हर संकल्प और सेकेण्ड में सदा मेरे साथ-साथ है

→ बाबा ने मुझ आत्मा को वायदा दिया कि,

■ जब कार्य समाप्त होगा तब हम साथ साथ ही चलेंगे

→ इसके लिए मैं आत्मा वियोगी तू आत्मा और योगी तू आत्मा के बीच के अंतर को बुद्धि में स्पष्ट करती हूँ और

■ मैं आत्मा योगी तू आत्मा बनने का पुरुषार्थ कर रही हूँ

→ मैं योगी तू आत्मा सदा बाप-दादा के दिल तख्तनशीन हूँ

■ हमारे दिल एक दो से बहुत करीब है

→ अब मैं आत्मा तो सदा एक बाबा को ही अपने दिल मे समाया हुआ रखती हूं

→ मैं आत्मा किसी देहधारी को तो अपने दिल मे आने की ENTRY ही नई देती हूँ

■ एक बाप से ही अपने दिल की हर बात करती हूँ

■ अब तो बस एक बाबा ही मेरा संसार है

➢➢ मैं फरिश्ता लाइट हाउस माइट हाउस हूँ

➳ _ ➳ मैं फरिश्ता विश्व ग्लोब पर स्थित हो अपनी पावरफुल स्थिति के द्वारा

→ विश्व की सर्व आत्मा को शान्ति, सुख और पवित्रता की तीनों ही लाइट्स (Light) अपनी माइट (Might) से दे रही हूँ

➳ _ ➳ जैसे स्थूल लाइट वायुमण्डल को परिवर्तन कर लेती है ऐसे

➳ _ ➳ मैं लाइट हाउस पवित्रता की लाइट से व सुख की लाइट से

→ वायुमण्डल को परिवर्तन कर रही हूँ

➳ _ ➳ मैं लाइट हाउस माइट हाउस फरिश्ता आकाश में स्थित हूँ

→ मैं फरिश्ता बाबा से सुख, शांति और पवित्रता की पावरफुल किरणे ले

■ और विश्व में चारों और हर आत्मा को शांति सुख और पवित्रता की लाइट अपनी माइट से दे रही हूं

→ और सारे विश्व को परिवर्तित करने की सेवा में बापदादा की मददगार बनती हूँ

■ मैं आत्मा माइक और माइट दोनो रुप से सेवा करने के लिए बाबा से शक्तियां ले रही हूं

→ और उसमें सफलता मूर्त बनने का अनुभव कर रही हूँ

■ सफलता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है

➢➢ गॉडली स्टूडेण्ट लाइफ का अनुभव

➳ _ ➳ Godly Student Life Is The Best Life...

→ मैं आत्मा पद्मापदम् भाग्यशाली हूँ कि,

■ मैं आत्मा इस अमूल्य विशेष जन्म में सदा बेस्ट अर्थात् श्रेष्ठ जीवन का अनुभव कर रही हूँ

➳ _ ➳ जैसे स्टूडेण्ट (Student) सदा हंसते, खेलते और पढ़ते रहते और कोई बात बुद्धि में विघ्न रूप नहीं बनती

➳ _ ➳ ऐसे ही मैं आत्मा भी बाप के साथ

→ उठती हूँ

→ बैठती हूँ

→ खाती हूँ

→ पीती हूँ

→ पढ़ती हूँ

→ पढ़ाती हूँ और निर्विघ्न रहती हूँ, यह है मेरी गॉडली स्टूडेण्ट लाइफ

■ जो प्रिय वस्तु होती उसका साथ छोड़ना मुश्किल होता है,

■ मैं आत्मा तो सदा बाबा के साथ ही रहती हूँ

■ मेरे लिये तो योग लगाना बहुत आसान है

■ मेरे लिए तो योग टूटना मुश्किल है

■ मैं कर्मयोगी आत्मा हूँ

■ मैं निरन्तर योगी आत्मा हूँ

■ मैं अपनी इस गॉडली स्टूडेन्ट लाइफ को बहुत Enjoy करती हूँ

➳ _ ➳ चाहे लौकिक घर वाले कितना भी विरोध करे

→ कितनी भी मार खानी पड़े

■ कितनी भी कोई बेड़ियाँ लगा दे

➳ _ ➳ मुझ आत्मा को कितने भी बंधन डाले

→ लेकिन मुझ आत्मा के लिए अब यह लाइफ

■ छोड़ना

■ तोड़ना बहुत ज्यादा मुश्किल है

➳ _ ➳ लेकिन साथ रहना मुझ आत्मा के लिए इतना ही आसान है क्योंकि यही मेरी बेस्ट लाइफ है

→ मैं आत्मा बाबा के साथ सदा इस बेस्ट लाइफ के हर पल का अनुभव करती हूँ

■ निरंतर मौज मनाती हूँ

■ सदा बाप के साथ हँसते, गाते ओर चलते खुशी में ख़गिया मारती हूँ

➳ _ ➳ ऐसा साथ तो सारे कल्प में कभी भी किसी को भी नहीं मिल सकता है

→ मैं आत्मा तो कितनी न भाग्यवान हूँ

■ जो इतनी लाखो करोड़ो आत्माओ मेसे स्वयं भगवान की नज़र मुझ आत्मा के ऊपर पड़ी

➳ _ ➳ बाबा ने अपने दिव्य श्रेष्ठ कर्तव्यों के लिए मुझे काबिल समझा

→ वाह मेरा श्रेष्ठ भाग्य वाह !

■ वाह मेरा बाबा वाह !